

133 (P)

562

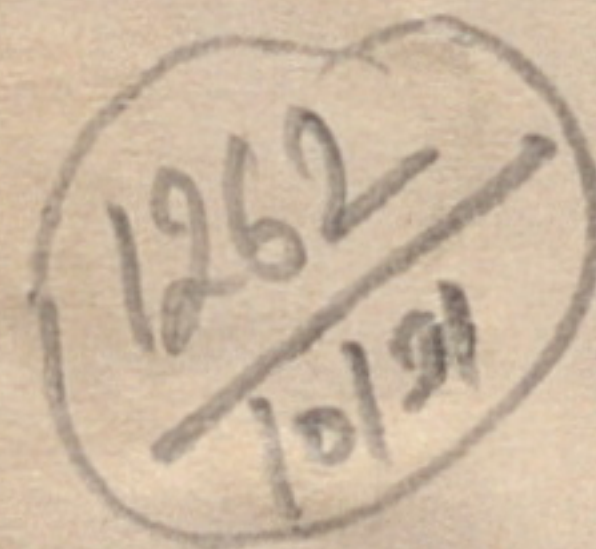
H

MICROFILM

राष्ट्रीय अभिलेखागार पुस्तकालय
NATIONAL ARCHIVES LIBRARY

भारत सरकार
Government of India

नई दिल्ली
New Delhi



आह्वानांक Call No. _____

अवाप्ति सं० Acc. No. _____

562

91

10/11

891.431
sh 91 m

१५५
* वन्देमातरम् *

* मतवाला गायन *

लेखक--

माताप्रसाद शुक्ल "शुक्ला"

जिसका दिल चाहे सितम मजलूम पर ढालो ।
कलेजा चीर डालो औ मेरी आँखें निकलवालो ॥
मेरे नस २ को छेदो औ मेरे रग २ को कटवालो ।
बदन हालिर है ये मेरा इसे कोल्ह में पिलवालो ॥
मगर प्रण देश सेवा का किया है वो न छोडूँगा ।
रहूँगा सत्य पर कायम न तोड़ा है न तोडूँगा ॥

प्रकाशक--

रघुनाथ प्रसाद गुप्त,

मुगल सराय ।

प्रथमवार]

29 FEB 1938

[मूल्य ॥ २]

No. 108

DEPARTMENT





* वन्देमातरम् *

* मतवाला गायन *



* विनय *

हे नाथ हिन्दियों को बन्धन विमुक्त कर दो ।
मानस पटल में सबके एक भव्य भाव भर दो ॥
दासत्वता की बेड़ी पाँवों में पड़ रही है ।
तोड़े' इसे दनादन बाँहों में वो असर दो ॥
लखकर मशीनगन भी छाती तनी हो मेरी ।
मिटने को जिस्म खाकीमुभको जरा न डर हो ॥
हो प्रेम ही हमारा शस्त्रास्त्र सब तरह का ।
सब भाइयों पर मेरी हाँ एक सी नज़र हो ॥
गुलशन जहान का फिर होवे विपिन ये भारत ।
ऐसी कृपा की दृष्टि हिन्दोस्तान पर हो ॥

* गाना *

कहाँ खो गया हा सितारा हमारा ।
 वो क्रान्तिके लहरों का था जो नजारा ॥
 माँ भारत के आँखों से आँसू बहे है ।
 सूनी गोद पड़ी हा किधर को सिधारा ॥
 फाँसी को हँसते २ गले से लगाया ।
 किशनसिंह का प्यारा भगतसिंह दुलारा ॥
 गुरु राज सुखदेव को साथ लेकर ।
 किया इस जहाँ से हा अपना निसारा ।
 देश भक्ती के मारग पै रखकर कदम को ।
 चले तीनों हिन्द से कसकर किनारा ॥
 नौजवानों के दिलमें था आजादी का गम !
 तेरे चलते ही भारत का गम है दुबारा ॥

* देश भक्तों के स्वागत में *

प्रेमियों के प्रेम की ये पुष्प मालायें बनी ।
 प्रेम पूर्वक देश वत्सल इसको धारण कीजिये ॥
 ये दास, सेवक मातके कर जोड़कर बिनती करें ।
 अपनी कृपा की दृष्टि से इनको कृतार्थ कीजिये ॥
 आपके ऊपर मेहर होवे सदा भगवान की ।
 जीवन सुफल करना सदा सेवामें भारतमातकी ॥

प्रयत्न ऐसा कीजिये भारत वतन आजाद हो ।

हिन्दू मुसलमाँ भाइयों में एकता भर दीजिये ॥

* हमारा वतन *

हमें जान दिल से पियारा वतन है ।

अनोखा निराला हमारा वतन है ॥

करो पहले आजाद अपने वतन को ।

गुलामी से जकड़ा हमारा वतन है ॥

हमें हो तो मन्नत ये यूरोप से क्यों कर ।

ये यूरोप से बढ़कर हमारा वतन है ॥

न आलम से मतलब न दुनियाँ से मतलब ।

हमारे लिये बस हमारा वतन है ॥

चाहे लाठी मारो या गोली चलाओ ।

हम मर के कहेंगे हमारा वतन है ॥

चाहे जेलों में डालो जँजीरों से जकड़ो ।

हम वहाँ भी कहेंगे हमारा वतन है ॥

* वीर भगतसिंह की आखिरी चेतावनी *

भारत के नौजवानों जौहर जरा दिखाना ।

नहिं घाद में तू मेरे बन सुस्त बैठ जाना ॥

रिषु के मतंग दलकी छापी घटा जो काली ।

तुम सिंहनाद करके उसको उड़ाते जाना ॥

निज पूर्वजों का तुममें जो कुछ हो खून बाकी ।

मेरे कबर पै दीपक उस खून से जलाना ॥
फाँसी की रस्सियों से हम जा रहे 'खुदाघर'

भारत स्वतन्त्र करके तुम भी वहीं पर आना ॥
जीतेन्द्र लाहिड़ी और असफ़ाक उल्ला रौशन ।

सुखदेव राजगुरु सा फाँसी पै भूल जाना ॥
'शुक्ला' मुसलमां हिन्दू में एकता बढ़ाकर ।

निज कूअते बाजू से जालिमको है मिटाना ॥

* गाना *

अगर खहर ही खहर सिर पैर तक सब बीवियाँ पहने ।
तो खहर आप ही भखमार के उनके मियाँ पहने ॥
वसूले गांधी हैं राजा आजादी जल्द हासिल हो ।
अगर खहर को मर्दों पीर लड़के लड़कियाँ पहने ॥
जो मैदाने सियासत में कदम रखने से डरते हैं ।
तो उनसे कहदो घर बैठे मँगाकर चूड़ियाँ पहने ॥
अगर फैशन विलायत का नवयुवक पसन्द करते हैं ।
तो गाढ़े की सिलाकर कोट जाकिट बाडियाँ पहने ।
बतन के प्रेम पर मरना ऐ भारत युवक के सीखो ।
यही है इत्तजा मेरी कि एकता सब जातियाँ पहने ॥

* गाना *

भारत माता को दुख से बचाने,

आओ भैया चले जेलखाने ।

जुल्म डायर ने जो कुछ किया है,
सारे पंजाब को दुख दिया है ।

उन गरीबों को दुख से बचाने,
आओ भैया चले जेलखाने ॥ १ ॥

औरतों तक पर हण्टर चलाया,
उनकी इज्जत में बट्टा लगाया ।

उनकी इज्जत को अब हम बचाने,
आओ भैया चले जेलखाने ॥ २ ॥

छोटा बच्चा मदन गोली खाया,
जालियाँ वालों में जोश बढ़ाया ।

उन शेरों के दिल को बढ़ाने,
आओ भैया चले जेलखाने ॥ ३ ॥

जिनको पेटों के बल से रेंगाया,
मीलों धूप में उनको दौड़ाया ।

उनके जख्मों पर मरहम लगाने,
आओ भैया चले जेलखाने ॥ ४ ॥

वीर भगतसिंह को कैद कराया,
उनको धोखे से फाँसी दिलाया ।

हित शहीदों के गर्दन कटाने,
आओ भैया चले जेलखाने ॥ ५ ॥

इन सब गोरों ने क्या जुल्म ढाये,
 बम जहाजों से हम पर गिराये ।
 सब से सब खुदा को सुनाने,
 आओ भैया चले जेलखाने ॥ ६ ॥

* गाना *

सर हथेली पर लेकर के आगे बढ़ो ।
 याद रखना कहीं सर रहे न रहे ॥
 जब मुकाबिल में कातिल के आही गये ।
 तो तमन्ना है क्या घर रहे न रहे ॥
 अन्न माता का खाते हो खाते रहो ।
 पर समय के पड़े सर कटाते रहो ॥
 खून का जोश अपना दिखाते रहो ।
 चाहे हाथों में खंजर रहे न रहे ॥
 छोड़ दो सारी आशायें परिवार की ।
 मोह माया व ममता जो संसार की ॥
 रणमें जाना है फिर लौट आना है क्या ।
 चाहे भाई बिरादर रहे न रहे ॥
 प्यारे भारत के वीर अधीर न हो ।
 चाहे तोपें तवर शमशीर न हो ॥
 निभाते रहो प्रण को अपने सदा ।
 चाहे कोई बसर सँग रहे न रहे ॥

बार सीने पै खाना सिखाना है क्या ।

राह खुद जानते हो दिखाना है क्या ॥

जब कि मरना है एक दिन तो डरना है क्या ।

चाहे कोई पिसर घर रहे न रहे ॥

रण बिगुल बज चुका जान लो जान लो ।

गर जरूरी समझते हो तो मान लो ॥

इस छिड़े युद्ध को हर तरह ठान लो ।

कौन जाने कि मर कर रहे न रहे ॥

* गाना *

भाई भारत का सिरताज हमारा,

एक लँगोटी वाला है ॥

भाई ज्ञान ध्यान अरु शक्ती से जो,

अहिंसक युद्ध निकाला है ॥

भाई एक बार यूरोप को जिसने,

शक्ती से हैरान किया है ॥

भाई उन ताजों का सिरताज हमारा,

एक लँगोटी वाला है ॥

भाई यूरोप से जो सूरत में,

व्यापारी बन कर आये थे ॥

भाई उनको रंग दिखाने वाला,

एक लँगोटी वाला है ॥

(८)

भाई छोड़ विदेशी वस्त्रों को,
अब खादी का अभ्यास करो ॥
भाई चर्खे औ खादी का प्यारा,
एक लँगोटी वाला है ॥
भाई वीर भगत सुखदेव राजगुरु,
भारत के जो लाले थे ॥
भाई उन सबके नैनो' का तारा,
एक लँगोटी वाला है ॥

गाना ।

प्रिय आजादी के मतवाले,
हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ।
बलि बेदी पर चढ़ने वाले,
हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥
आजादी ध्येय हमारा है,
सत्याग्रह शस्त्र सम्हारा है ।
अमरत्व कवच दृढ़ धारा है,
हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥१॥
हम नित्य सत्य का मान करें,
जीवन अपना बलिदान करें ।
भारत पर सब कुर्बान करें,
हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥२॥

खादी का केशरिया बाना,

पहिना मरदाना प्रण ठाना ।

आजाद रहें या मर जाना,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥३॥

भारत पर चारे जायेंगे,

हम सूखे चने चबायेंगे ।

भारत आजाद बनायेंगे,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥४॥

हम पीछे दृश्य न डालेंगे,

दृढ़ नेम नित्य हम पालेंगे ।

अपना प्रण नेक न टालेंगे,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥५॥

तैयार जेल हम जाने को,

हिन्दू मुसलिम मिल गाने को ।

भारत आजाद बनाने को,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥६॥

वह जेल द्वार हो स्वर्ग द्वार,

हो काला पानी सुख विहार ।

हम मगन रहें हो अति प्रहार,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥७॥

हो काल कोठरी लोक धाम,

डंढा बेड़ी आसन ललाम ।

चक्की कोल्हू हों शुभ्र काम,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥८॥

घातक ले तोपें खड़े रहे,

हम छाती खोले डे रहें ।

फाँसी के तरुते चढ़े रहे,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥९॥

दुनियाँ से नाता तोड़ दिया,

ममता माया सब छोड़ दिया ।

मन युद्ध क्षेत्र में जोड़ दिया,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥१०॥

लड़ते लड़ते मर जायेंगे,

मर जायेंगे फिर आ येंगे ।

भारत स्वाधीन बनायेंगे,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥११॥

जिस मार्ग से हम सब जाते हैं,

अन्याय को नित्य मिटाते हैं ।

हिन्दू मुसलिम को मिलाते हैं,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥१२॥

सच्चा हथियार हमारा है,

सच्चा सरदार हमारा है ।

सच्चा ईश्वर रखवारा है,

हम सैनिक हैं हम सैनिक हैं ॥१३॥

* गाना *

जब बजने लगा तसला जंजीर भना भन भन ।
चक्की की सदा ये है घन घोर घना घन घन ॥
भारत में स्वदेशी का अब रंग जमा देखो ।
विदेशी के कपड़ों का कहीं ढेर जला देखो ॥
अब हिन्दू वो मुसलमां का मेल मिला देखो ।
हुशियार हुए भारत में अब चर्ख चला देखो ॥
मिशमार कियो इससे मैनचेस्टर और लन्दन ।

जब बजने लगा तसला जंजीर० ॥१॥
अफ़मोस हुकूमत का ऐ साहब जरा देखो ।
मैं खाने का दरवाज़ा हर बक्त खुला देखो ॥
बदकार बनाया है रैय्यत को ज़रा देखो ।
क्या खूब ये हज़रत का रोज़गार जरा देखो ॥
राजा भी लगे होने अब पीर मुगाँ पुरफन ।

जब बजने लगा तसला जंजीर० ॥ २ ॥
मैं हुब्बेवतन की हम अब सबको पिला देंगे ।
मैं ख़्तारी की लत सारी हम सब से छुड़ा देंगे ॥
हम शेख औ बरहमन का मेल मिला देंगे ।
भारत के सभी जन को इक राह चला देंगे ॥

गिनवावोगे फिर कैसे कलदार छना छन छन ।

जब बजने लगा तसला जंजीर० ॥ १ ॥

घबड़ा के लगे कहने यूँ लाट बड़े हिन्दी ।

पहले तो मुलायम थे अरु अब हैं कड़े हिन्दी ॥

तोपों के मुकाबिल भी वे खौफ खड़े हिन्दी ।

करते न बनेगी कुछ अब जाग पड़े हिन्दी ॥

है खैर इसीमें कि सब भाग चले लन्दन ।

जब बजने लगा तसला जंजीर० ॥ ४ ॥

गाना ।

हिन्दू मुसलिम मेल कर आजादी दीवाने बनो ।

सारी दुनियाँ एक करके ऐसे मरदाने बनो ॥

गुलिस्ताँ हिन्दू को परदेशियों ने वीरान कर डाला ।

उनको फँसाने के लिये अब, ऐसे बेगाने बनो ॥

एकता के ताग की जाली बिछा दो हिन्दू में ।

हिन्दुओं को करके ताना, मुसलिम तू बाने बनो ॥

एकता रहती जहाँ होती मेहर अल्लाह की ।

इस लिये ही एकता कर, दोनों मस्ताने बनो ॥

‘शुक्ल’ पूजा करें हिन्दू और मुसलिम नित नमाज ।

भारत बतन आजाद करके, कौमी दीवाने बनो ॥

देश-सेवा हित मिटे आघात धक्का शान पर ।

मिट गये विद्यार्थी जी देश के अभिमान पर ॥

काम पूरा कर दिखाया एकता के मार्ग का ।

होगये हा खुदभी अर्पण हिन्दू अरु मुसलमान पर ॥

हिन्दू मुसलिम एकता का खूबही परिचय दिया ।

मिट गये हा दोनों कौमो हित दिली अरमान पर ॥

फायदा जो कुछ हुआ भगड़े से काशी, कानपूर ।

समझ कर दोनों हाँ जल्दी कायम रहे ईमान पर ।

भारतवासी बचाओ यह फरयाद भी हुये ।

मुमकिन ना मुमकिन सभी इरशाद भी हुये ॥

जब सरकी पड़ी जरूरत तो मैंने सर दिया ।

हाजत पड़ी बशर की तो मैंने बशर दिया ॥

जब जर की पड़ी जरूरत तो मैंने जर दिया ।

खाली थैली इंगलैंड की भारत ने भर दिया ॥

जर्मन की लड़ाई में बरबाद हम हुये ।

ये सब हुये पर एक ना आजाद हम हुये ॥

मुसलिम से कहा गाय की कुरबानी तुम करो ।

हिन्दू से कहा चप क्यों हो जल्दी से लड़ मरो ॥

फरमाया पुलिस वालों को इन दोनों को धरो ।

मुहत्त से जेल खाली है इन दोनों को भरो ॥
सरकार की इन चालों से बरबाद हम हुये ।

ये सब हुये पर एक ना आजाद हम हुये ॥

गाना ।

भारत देश आजाद बनायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चखायेंगे हम ॥

भूल सकते हैं नहीं जलियान वाले बाग को ।

जालिम अरे तू मत बड़ा जरूमी दिलों के दाग को ॥

घर २ जलियान वाला बनायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चखायेंगे हम ॥

लाठियाँ भी खायेंगे घोड़ों से रौंदे जायेंगे ।

गोलियाँ भी खायेंगे बलिदान होते जायेंगे ।

अब ये जानो विजय माला पायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चखायेंगे हम ॥

चार दिन की चाँदनी फिर तो अँधेरी रात हैं ।

देख लो चारों तरफ से अब तुम्हारी मात है ।

भण्डा आजादी का अब तो फहरायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चखायेंगे हम ॥

गोलियाँ चुक जायेंगी पर छातियाँ चुकती नहीं ।

हिन्द की ये आग आजादी बिना रुकती नहीं ॥

डंका आजादी का अब तो बजायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चखायेंगे हम ॥

अब हमारी शक्ति का तुम पार पावोगे नहीं ।

शान्ति रखोगे नहीं तो शान्ति पावोगे नहीं ॥

अपनी शान्ति से विश्व हिलायेंगे हम ।

मजा जुल्म का जालिम चलायेंगे हम ॥

गजल ।

खुदा ये कैसी मुसीबतों में,

ये हिन्द वाले पड़े हुये हैं ॥

कदम र पै हमारे खातिर,

सितम के छाले पड़े हुये हैं ॥

जो आये मेहमाँ हमारे बनकर,

वह जुल्म करने लगे हमों पर ॥

गजब तो ये हैं मकाँ से बाहर,

मकान वाले पड़े हुये हैं ॥

सरोँ पै दुश्मन पड़े हुये हैं,

गलों पै खँजर अड़े हुये हैं ॥

दिलों में नशतर चुभे हुये हैं,

जिगर में छाले पड़े हुये हैं ॥

हजारों बच्चों से बाप बिछुड़े,

वह तेग किस्मत के होके टुकड़े ॥
 सुहागिनों के सुहाग उजड़े ।
 घरों में ताले पड़े हुये हैं ॥
 हवा जमाने की ऐसी बिगड़ी ।
 कि जुल्म होने लगे परस्पर ॥
 सुनायें फरियाद किसको जाकर ।
 जबाँ पै ताले पड़े हुये हैं ॥

* गाना *

मादरे हिन्द के हैं आँख का तारा गाँधी ।
 चरख पर कौम के पुर नूर सितारा गाँधी ॥१॥
 जेलखाने में भी जाकर उठाना मैला ।
 मुल्क के वास्ते करते हैं गवारा गाँधी ॥२॥
 हिन्द की बेहतरी के वास्ते दर दर फिर कर ।
 सखियाँ भेलीं बहुत कष्ट सम्भारा गाँधी ॥३॥
 बछवे र का सर कदमों पै गिरा जाता है ।
 जान हाजिर है अगर करदे इशारा गाँधी ॥४॥
 हाजि कुल मुल्क अजमल खाँ भी यही कहते हैं ।
 हम हैं गाँधी के तरफदार हमारा गाँधी ॥५॥
 चन्द्र इस जिन्दगी के काम न पूरा हो गर ।
 हिन्द के वास्ते आयेगा दुबारा गाँधी ॥६॥

समाप्त ।

सुगन्धित

तैल व इत्र की दुकान

भारत के हृदय सम्राट् महात्मा गाँधी की आज्ञा पालन कीजिये । हमारे दुकान व कारखाने की निम्न लिखित चीजें जैसे हर किसम का इत्र, तैल, शरबत, अर्क, बोखार की दवा, शोध्दी हरें, नमक सुलेमानी, बालामृत, सुधासिन्धु, ददुगज केसरी, बालसुधा, हिमकल्याण तैल, सत्य कल्याण तैल, गङ्गा धारा, संजीवन धारा और अन्य पेटेन्ट दवायें, सुती, जर्दा, गोली, पान का मसाला, तानसेन गोली, बोटल, शीशी, काग, किताब, साबुन वगैरह धोक तथा फुटकर लेने वालों को किफायत के साथ दिया जाता है । कृपया एक बार दुकान तथा कारखाने में आकर या पत्र द्वारा आर्डर देकर माल की परीक्षा करें ।

भवदीय—

केदारनाथ विश्वनाथ प्रसाद इत्र मर्चेन्ट,

कारखाना—चेतगंज काशी ।

दुकान—मोगल सराय जंकशन ।